VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

- -

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01370539

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SUSHMA SAGAR

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

31-8-24

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

Mukherjee Nagar

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 3128**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 3128**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

लोगो की इच्छा अन्याय को न्याय नही बना सकती है

जैसे ही कोई श्वेत बस में चढता। अश्वेतों को अपनी सीट छोड़नी पड़ती चाहे शरीर में कोई भी तकलीफ हो चाहे उसे सीट की आवश्यकता उस श्वेत व्यक्ति से अधिक हो। सभी चाहते थे कि यह भेदभाव समाप्त हो जिससे वे भी गरिमापूर्ण जीवन जी सके किंतु वर्षो से यदि परंपरा चली आ रही थी। 1 दिसम्बर 1955 की रात

VisionIAS

को क्रांतिकारी घटना हुई अमेरिकी शहर अलबामा के मोंटगोमरी में। रोजा पार्क्स नामक महिला जो दिन-भर की मेहनत से थकी हुई थी। बस ड्राइवर के कहने पर भी उसने अपनी सीट को छोड़ने से मना कर दिया व इसका विरोध हुआ। यह घटना इतिहास में क्रांतिकारी घटना के रूप में देखी जाती है। यहीं से आरंभ हुआ नागरिक अधिकारों हेतु आंदोलन। पूरे एक वर्ष तक समस्त जगहों पर नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलन हुए अंततः भेदभावपूर्ण नियम व कानून को समाप्त कर अश्वेतों को भी अधिकार दिए गए।

उपर्युक्त घटना दर्शाती है कि न्याय के लिए मात्र इच्छा ही काफी नहीं है अपितु साहस जैसे गुणों के साथ कर्म करना भी आवश्यक है।

आगे की चर्चा में हम विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करेंगे जैसे न्याय की आवश्यकता क्या है अर्थात

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

लोग, न्याय की इच्छा क्यों करते हैं? केवल इच्छा से न्याय क्यों नहीं स्थापित हो पाता? इसको हम व्यक्तिगत से लेकर जीवन के विविध क्षेत्रों में जानने का प्रयास करेंगे। क्या न्याय स्थापित करने के लिए इच्छा का कोई महत्व नहीं है? क्या वर्तमान में न्याय की स्थिति है? यदि नहीं तो इस अन्याय को न्याय में बदलने के लिए इच्छा के साथ किसकी आवश्यकता है? न्याय की स्थापना के लिए किन मानवीय गुणों की आवश्यकता होती है आदि।

सबसे पहले यह विचार करना आवश्यक है कि न्याय क्या है? कोई भी व्यक्ति या प्राणि जगत का कोई भी सदस्य जैसे पशु या प्रकृति का कोई भी अंग, जिन नैसर्गिक व सार्वभौमिक अधिकारों का हकदार है उन्हें भेदभावरहित व पूर्वाग्रहों के बिना उपलब्ध कराना। न्याय से समरसता, समानता, स्वतंत्रता, सहिष्णुता आदि की स्थापना होती है। इसीलिए भारतीय संविधान की प्रस्तावना में नागरिकों को सामाजिक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

आर्थिक, राजनीतिक न्याय को उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है

अब यह विचार करना भी आवश्यक है न्याय की आवश्यकता क्या है जो लोग इसकी इच्छा करते हैं? न्यायपूर्ण समाज से मानवीय विकास को बल मिलता है। समाज बेहतर बनता है जिसमें व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा की जाती है, उसे महत्व दिया जाता है। समाज में एकजुटता आती है सम्पूर्ण स्तर पर राष्ट्र व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास को बढ़ावा मिलता है। क्योंकि कहीं भी अन्याय, उसी जगह के न्याय के लिए खतरा होता है।

उदाहरण के लिए भारत में न्यायपूर्ण सामाजिक-आर्थिक विकास के अभाव में नक्सलवाद का उदय। गरीबी, कुपोषण की अधिकता के साथ सीरिया, इराक आदि देशों में ISIS व तत्पश्चात आतंकवादी संगठनों का उदय।

प्रत्येक व्यक्ति में सहज ही भावना होती है कि उसके अधिकारों को महत्व मिले। उसके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाए। वह स्वाभिमान के साथ जी सके। इसी स्वभावना के कारण प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ होने

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

वाले अन्याय के प्रति घृणा का भाव रखता व न्याय की इच्छा करता है। इसी के परिणाम है कि आज विश्व में कई आंदोलनों का उदय हुआ है। यह आज ही नहीं अपितु सर्वकालिक घटना है। जैसे - बौद्ध धर्म द्वारा न्याय पर बल, भारत का स्वतंत्रता आँदोलन ब्रिटिश अन्यायपूर्ण शासन के विरुद्ध, वर्तमान के दबावसमूह कमजोर वर्गों हेतु न्याय स्थापना के लिए आदि।

न्याय के लिए इच्छा सर्वकाल ही नहीं अपितु सर्वदेशीय भी है जैसे - द० अफ्रीका में नस्लीय भेदभाव हेतु आंदोलन, विश्व उपनिवेशीकरण हेतु समस्त विश्व में चलाए गए राष्ट्रीय आंदोलन, पर्यावरणीय आंदोलन आदि।

यदि सब न्याय की इच्छा करते है तो इच्छा से न्याय क्यों नहीं स्थापित हो पाता? व्यक्तिगत स्तर पर देखें तो इसके लिए साहस की आवश्यकता होती है। विरोध को सहने की व अपने स्वार्थों को त्यागने की आवश्यकता होती है। भीड़ के साथ चलना आसान है किंतु गलत को गलत कहना अत्यंत कठिन है।

उदा० के लिए सती प्रथा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

वर्षों से चली आ रही थी किंतु अपने साहस व दृढ़ता के कारण ही राजा राम मोहन राय इसके विरुद्ध आवाज उठा पाए। इसके लिए उन्होंने विरोध को सहा। यह विरोध राज्य व ब्रिटेन की संस्था तक ही सीमित नहीं था अपितु स्वयं का परिवार भी शामिल था।

इसी दृढ़ता के अभाव के कारण व अपनी सामाजिक छवि के कारण बलात्कार व यौन हिंसाओं को छुपाने का प्रयास किया जाता है जबकि परिवार को साहस से महिलाओं को न्याय के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

"बोझ नहीं मैं किसी के घर का
न पतवार में नैया का
लहरों से लड़ूंगी, पतवार बनूंगी
मुझसे क्या बचेगा रुपया'

जैसे दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

अब यदि सामाजिक स्तर पर देखें तो समाज में शीघ्र परिवर्तन नहीं लाए जा सकते। अन्याय में संलग्न समूह स्वयं में बदलाव लाने का प्रयास ही नहीं करता व अपनी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को और अधिक मजबूत करता जाता है जिससे इच्छा होने पर भी कमजोर व शक्तिहीन वर्ग न्याय

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

स्थापित नहीं कर पाता

उदाहरण के लिए भारत में सदियों से चली आ रही जाति व्यवस्था के भेदभाव पूर्ण संरचना को अभी तक तोड़ा नहीं जा सका है। NCRB की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 2021 के तुलना में SC वर्ग के प्रति हिंसाओं में क्रमशः 13.1% व 14% की वृद्धि हुई है।

केवल कानूनों से अन्याय को न्याय में नहीं बदला जा सकता इसके लिए सामाजिक स्तर पर ही लोगों के दृष्टिकोण में परिवर्तन की आवश्यकता होती है जो समयग्राह्य प्रक्रिया है। मन्नू भण्डारी के महाभोज उपन्यास का जोरावर चरित्र कहता है- "इन दलितों के बाप-दादे हमारे सामने सिर झुकाकर रहते थे और ये सब आँखों में आँखें डालकर सीना तानकर हमसे बात करते हैं, बरदाश्त नहीं होता यह हमसे"

इसी तरह आर्थिक स्तर पर भी देखें तो विविध प्रकार की असमानताएँ व संसाधनों का उचित वितरण न होना अन्याय की स्थिति

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उत्पन्न करता है। मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं भी पूर्ति नहीं होती

'श्वानों को मिलता दूध वस्त्र
भूखे बच्चे अकुलाते हैं
माँ की छाती से चिपक
जाड़े की रात बिताते हैं'

इस गरीबी का कुचक्र पीढ़ी दर पीढ़ी चलता जाता है जिसमें बाहर निकलना कठिन हो जाता है अतः किसानों में आत्महत्याएँ, कुपोषण, भुखमरी जैसी समस्याएँ दिखती हैं। इस आर्थिक संरचना का अत्यधिक मजबूत होना, आर्थिक न्याय को स्थापित करना कठिन बनाता है। दुख और धर्म कथनों में मार्कण्डेय कहते हैं कि "स्त्रियों और श्रमिकों ने स्वामी को क्यों ओढ़ रखा है? जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं ने उनकी विरोध चेतना को दबा रखा है"

इसी तरह राजनीतिक स्तर पर देखें तो व्यक्ति सरकार के समक्ष कमजोर व शक्तिहीन होता है। शक्ति की अधिकता व अधिकार राजनीतिक अन्याय को दूर करना कठिन बनाते हैं जिससे क्रोनी पूंजीवाद, राजनीति का अपराधीकरण, प्रशासन का राजनीतिकरण आदि देखा जाता है व

व्यक्ति न्याय के लिए आवाज नहीं उठा पाता।

पर्यावरणीय - राजनीतिक के साथ क्षेत्र में भी जलवायु परिवर्तन आदि से अन्याय स्थापित हुआ है। IPCC की AR6 रिपोर्ट बताती है कि जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव विकसित देशों से अधिक विकासशील व अविकसित देशों की कमजोर व वंचित वर्ग पर अधिक पड़ता है। इस क्षेत्र में भी अन्याय को मात्र इच्छा से समाप्त नहीं किया जा सकता है। इसके लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है जैसे - हरित प्रौद्योगिकी अपनाना, स्वच्छ ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा को बढ़ाना, Life (पर्यावरण हेतु जीवनशैली) को अपनाना, व्यक्तिक के विकल्पों पर बल देना। संसाधनों का अनुकूलतम व न्यायपूर्ण दोहन सुनिश्चित कर संधारणीय गतिविधियों को अपनाने की आवश्यकता है।

केवल इच्छा से न्याय स्थापित नहीं किया जा सकता है तो क्या इच्छा का कोई महत्व नहीं है? ऐसा भी नहीं है। न्याय की

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

स्थापना हेतु इच्छा का होना आधारभूत बिंदु है। इच्छा के अभाव में न्याय हेतु सक्रिय भूमिका का निर्वहन ही नहीं किया जा सकेगा। इच्छा ही व्यक्तियों को एकजुट करने, ज्ञान निर्माण व न्याय हेतु मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करती है जिससे वृहद स्तर पर आंदोलन खड़ा हो पाता है उदाहरण के लिए बांग्लादेश के निर्माण के दौरान होने वाले आंदोलन में अपनी बातु की स्वतंत्रता व भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने व न्याय की इच्छा से ही आरम्भ हुआ था। यह इच्छा सर्वकालिक व सर्वदेशीय किसी भी आंदोलन जो न्याय के लिए किया जाता है, आधार निर्मित करने का कार्य करती है।

वर्तमान में भी विश्व में नस्लीय भेदभाव, लैंगिक असमानता, आतंकवाद, LGBTQIA+ समुदायों को अधिकार न मिलना, अल्पसंख्यकों की असुरक्षा, जनजातीय जीवन के प्रति होने वाले शोषण, विकसित देशों द्वारा कमजोर देशों की सम्प्रभुता का उल्लंघन, वैश्विक संस्थानों जैसे UNSC का प्रतिनिधित्वकारी न होना, वैश्वीकरण से नव उपनिवेशवाद

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गतिविधियों को बढ़ावा देना आदि दर्शाते है कि अभी भी विश्व में पूर्ण रूप से न्याय स्थापित नहीं हुआ है।

तो फिर इसके लिए किन गुणों व उपकरणों की आवश्यकता है इस पर विचार किया जाना आवश्यक है। न्याय को बढ़ावा देने हेतु कानून व नियमों को बनाने के साथ बेहतर क्रियान्वयन पर बल दिया जाना चाहिए जैसे - नागरिक अधिकार संरक्षण अधि. 1955, मानवाधिकार यौन हिंसा से संबंधित 2013 का कानून, मैनुअल स्कैवेंजर्स का न्यायपूर्ण पुनर्वास आदि।

लोगों के अभिवृत्ति के परिवर्तन व समाजीकरण की प्रक्रिया को न्यायपूर्ण बनाने की आवश्यकता है इसमें बेहतर विचार हेतु बौद्धिक वर्ग माता-पिता, शिक्षक, नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण किया जाए जिससे विरोध हेतु आत्मविश्वास व साहस का संचार हो। जागरूकता निर्माण के साथ शिक्षा की गुणवत्ता पर बल दिया जाना चाहिए। न्याय व्यवस्था में सुधार

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

की आवश्यकता है। वर्तमान तकनीकों का प्रयोग जैसे AI, IoT, रोबोटिक्स, क्वांटम प्रौद्योगिकी आदि का प्रयोग बेहतर न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए किया जाए। पर्यावरण के संदर्भ में लोगों को जागरूक बनाया जाए व शमन व अनुकूलन को बढ़ावा दिया जाए।

इनसे बेहतर न्यायपूर्ण समाज की स्थापना हो सकेगी जो समस्त मानव जगत का लक्ष्य है यही प्रकृति का नियम है कि सभी को न्याय मिले। इससे हम एक ऐसे विश्व की स्थापना कर सकते हैं।

अल्पमृत्यु नहिं कवनिउ पीरा
सब सुंदर सब विरुज शरीरा
नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना
नहिं कोउ अबुध न लच्छनहीना।

xxx

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं

नंगे पैर फटे कपड़े पहना एक व्यक्ति सड़क पर झाड़ू लगा रहा था सड़क के दूसरी ओर दो महिलाएँ अपने लगभग समान उम्र के बच्चे के साथ थी। दोनों ने उस व्यक्ति को देखा। पहली महिला ने अपने बच्चे से कहा कि अगर तुम पढ़ाई नहीं करोगे तो उस व्यक्ति जैसे बनकर झाड़ू लगाओगे वही दूसरी महिला ने भी देखा और अपने बच्चे से कहा है कि उसे अपने जीवन में इतनी पढ़ाई करनी चाहिए

VisionIAS

कि वह इतना सक्षम हो सके कि वह उस गरीब व्यक्ति की सहायता कर सके।

दोनों ने एक ही व्यक्ति को देखा। किंतु पहली महिला ने उस व्यक्ति को तुच्छ व संवेदनहीन तरीके से देखा। वहीं दूसरी महिला ने उसके प्रति संवेदना दिखाते हुए अपने बच्चों को भी प्रेरित किया कि उसे अपने जीवन में वंचित वर्गों के प्रति भलाई करने पर बल देना चाहिए। दोनों महिलाओं की एक ही स्थिति में भिन्न दृष्टिकोण दिखता है। यह दर्शाता है कि हम चीजों को अपने नजरिए अर्थात् जैसे हम हैं वैसे ही देखते हैं या उन्हें परिभाषित करते हैं।

आगे की चर्चा में यह विचार करना आवश्यक है देखने का अर्थ क्या है? देखने में भिन्नता क्यों पाई जाती है; हम चीजों को वैसा ही क्यों देखते हैं जैसे हम हैं? इसे हम जीवन के विविध क्षेत्रों के आधार पर जानने का प्रयास करेंगे। साथ ही क्या प्रत्येक वस्तु का देखना, हमारे नजरिए पर ही निर्भर करता है? चीजों को कैसे देखा जाना चाहिए ताकि बेहतर समाज का निर्माण हो सके? क्या हम चीजों को देखने का तरीका बदल सकें

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

है? यदि हाँ तो बदलने के लिए किन गुणों व उपकरणों की आवश्यकता होती है आदि।

देखने के संदर्भ में वात्सयायन अज्ञेय ने अपने निबंध संवत्सर में कहा है कि - "कई बार चीजों को देखने में हमारा ध्यान जाता है किंतु दृष्टि नहीं"। जब हम दृष्टि के साथ वस्तु को देखते हैं कि उसकी समस्त सार्थकता को भी समझ पाते हैं। चीजों को मात्र देख लेना ही पूर्ण नहीं होता अपितु उनके साथ उनको परिभाषित करने में उनकी सार्थकता को जान पाने में हमारा ज्ञान हमारा अनुभव व हमारा नजरिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिससे वह वस्तु समान होते हुए भी सबके लिए भिन्न हो जाती है। उदा० के लिए अँधे के द्वारा हाथी के पैर को खम्भा बताना, पूँछ को साँप बताना, सूँड को नली बताना आदि एक ही सत्य के विभिन्न रूप को दर्शाता है।

अर्थात् हम संक्षिप्ततः कह सकते हैं -

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

"जाकी रही भावना जैसी
प्रभु मूरत तिह देखी तैसी"

अब यह विचार करना आवश्यक है कि हम चीजों को वैसा क्यों देखते है जैसे हम है, वैसा क्यों नहीं जैसा वो है? यदि व्यक्तिगत स्तर पर विचार करे तो हम पाते है कि मनुष्य को प्राप्त ज्ञान व एक्सपोजर इसके नजरिए को निर्धारित करता है उदा० के लिए साँपु के प्रति अज्ञानता के कारण बच्चे को साँप को रस्सी समझ लेना दर्शाता है कि हमारा ज्ञान हमारे देखने की क्षमता को निर्धारित करता है। इसी तरह हमारे मूल्य भी हमें वस्तुओं को देखने का तरीका देते है जैसे - भ्रष्टाचार को सहन करना या सत्येन्द्र दुबे के समान गलत के लिए आवाज उठाना।

हमारा स्वयं का व्यक्तित्व भी देखने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जैसे - 27 साल जेल में रहने के बावजूद भी नेल्सन मंडेला गुस्से व प्रतिशोध की भावना के बजाए प्रेम व क्षमा के गुणो से भरे थे। जब उनसे पूछा कि जिन्होंने उनकी स्वतंत्रता का हनन किया वे उनसे नाराज नही है? तो उन्होंने कहा - क्रोध एक ऐसा जहर है जिसे पीने पर हम सोचते है कि वह दुश्मन को मारेगा। नेक इस दृष्टिकोण से वसुधैव कुटुम्बकम

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

व शांति व प्रेम को बल मिला।

इसी तरह सामाजिक स्तर पर भी सामाजिक मूल्य वस्तुओं को देखने का नजरिया प्रदान करते है। उदा. के लिए पितृसत्तात्मक समाज मे महिलाओं को वस्तु के रूप मे देखा जाता है वही जनजातीय मातृसत्तात्मक समाजो मे सहज मानव के रूप मे देखा जाता है।

इसी तरह समाज मे आपसी सद्भाव व दृष्टिकोण विभिन्न वर्गों के मध्य शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को बनावा देता है किंतु जहाँ इनकी कमी पाई जाती है वहाँ दूसरे समुदाय के हितों को अपने विरोध के रूप मे देखा जाता है फलतः भेदभाव, जातीय हिंसा, सांप्रदायिक दंगे आदि होते है।

सामाजिक के स्तर के समान राजनीतिक स्तर पर भी राजनीतिक संरचना का स्वरूप देखने मे भिन्नता लाता है उदा. के लिए उ. कोरिया मे एकनायकवाद, मीडिया की अत्यधिक सेंसरशिप, स्वामीभक्ति, अधिकारों के हनन को बढ़ावा दिया जाता है वही द. कोरिया मे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

नवाचार, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता आदि पर बल दिया जाता है।

भारत में संविधान में जनता को शक्तियों का मूल माना जाता है अतः इसी नजरिए के कारण भारत न केवल वृहदतम अपितु विश्व के सफलतम लोकतंत्र में से एक है व लगातार मजबूत होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इसी तरह पर्यावरणीय संदर्भ मे देखें तो हमारा नजरिया ही प्रकृति के उपभोग की प्रकृति को निर्धारित करता है। जब हम स्वयं को प्रकृति का स्वामी मानते है तो अतिदोहन को बढ़ावा मिलता है जैसा कि औद्योगिकरण की प्रक्रिया के दौरान देखा गया था जिसका परिणाम जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का नाश आदि रूपों मे दिखता है। वहीं इस नजरिए को बदलने की आवश्यकता है संधारणीय तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। प्रकृति को मानवीय रूप से देखने की आवश्यकता है व प्रकृति को हमारा नंगे पैरों का स्पर्श अच्छा लगता है। हवा को हमारे बालों से खेलना भाता है।

इसके साथ ही प्राणि जगत

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

व समस्त जीव मंडल के प्रति प्रेम, सरक्षण व कर्तव्यवादी दृष्टि से देखने की आवश्यकता है।

आर्थिक क्षेत्र मे भी हमारी दृष्टि के आधार पर हम वस्तुओं को देख पाते है जिससे आर्थिक क्षेत्र मे विभिन्न मॉडलो का विकास हुआ है जैसे - पूंजीवाद, समाजवादी आदि। वही भारत मे व्याप्त विविधता व समन्वयता के गुणो के कारण मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया है।

आर्थिक क्षेत्र के समान ही विज्ञान व प्रौद्योगिकी का विकास व इसका उपयोग हमारे नजरिए पर निर्भर करता है। कभी इसका प्रयोग जीवन को बचाने हेतु किया जाता है वही वही परमाणु बम के माध्यम से लाखो लोगो के विनाश हेतु। दिनकर कहते है,

सावधान मनुष्य!
यदि विज्ञान है तलवार तो इसे दे फेंक तजकर मोह, स्मृति के पार

इसी तरह अनुसंधान व प्रयोगो मे असफलता भी हमारे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

नजरिए पर निर्भर करती है। थॉमस एडीसन ने कहा था - "मैंने 10,000 गलत प्रयोग नहीं किए बल्कि ये वे तरीके है जो काम नहीं करते"

इस तरह विभिन्न व्यक्तियों की उपस्थिति से चीजों को भिन्न-भिन्न तरीके से देखते है वो अपने नजरिए की भिन्नता के कारण होता है। किंतु किसी भौतिक स्थिति पर आधारित वस्तु जिसका प्रयोग हम साधारण रूप से देखते है। जिनका वस्तुनिष्ठ अध्ययन किया जा सकता है जिन्हें गणितीय व वैज्ञानिक सिद्धांतों से सिद्ध किया जा सकता है। इनको देखने में समानता रखती है किंतु यहां भी संभव है कि हमारी वैज्ञानिक क्षमता का इतना विकास नहीं हो पाया हो जिससे हम उसे भिन्न रूप मे देख सके जैसे के लिए - ब्रह्माण्ड के संदर्भ मे नवीन खोजें व पुराने वस्तुनिष्ठ सिद्धांतों का गलत सिद्ध होना आदि

हमें चीजों को ऐसे नजरिए से देखे जाने की आवश्यकता है जो सकारात्मक हो, मानवतावादी हो संविधान के मूल्यों के अनुरूप हो सामाजिक विकास को बढ़ावा देने वाला हो। ऐसे नजरिए से बेहतर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

व्यक्ति, बेहतर समाज, बेहतर राष्ट्र व बेहतर विश्व बनाया जा सकता है।

किंतु क्या इस बेहतर को बनाने के लिए देखने में या नजरिए मे बदलाव लाना संभव है?

अभिप्रेरक परिवर्तन से दृष्टि मे बदलाव लाया जा सकता है। उदा० के लिए संवेदनहीन, शोषणवादी महान डाकू अंगुलिमाल जब शीतल शुद्ध हृदय वाले महात्मा बुद्ध की शरण मे आया तो वह भी महात्मा बन गया। यह दर्शाता है कि बदलाव लाया जा सकता है।

इस बदलाव को महात्मा गांधी जी के जीवन मे भी देखा जा सकता है। जब द. अफ्रीका मे उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया तो उन्होंने द. अफ्रीका व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत कर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को अपने सत्य, अहिंसा के हथियारों से हिला डाला।

"आगली पीढ़ियाँ विश्वास नहीं करेंगी कि हाड़-मांस का ऐसा भी व्यक्ति था"

- आइंस्टीन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

इस बदलाव लाने के लिए
आवश्यक है एक्सपोजर को बढ़ावा
दिया जाए। इसके लिए अधिकांश
पुस्तकों को पढ़ना चाहिए। विभिन्न
दृष्टिकोण व विचारधाराओं को बढ़ावा
देने हेतु वाक् व अभिव्यक्ति की
स्वतंत्रता पर बल देना चाहिए।
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल देना
चाहिए जो स्वतंत्र चिंतन व प्रश्न
पूछने को प्रोत्साहित करती हो।
समाजीकरण की प्रक्रिया में अच्छे
मूल्यों के समावेशन पर बल देना
चाहिए जो पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा,
स्वार्थहीनता आदि को बढ़ावा देना
चाहिए तभी अब्दुल कलाम से
वैज्ञानिक, षणमुगम मंजूनाथ जैसे
प्रशासक जिन्होंने पेट्रोल पंप के
भ्रष्टाचार को उजागर करने में
आत्मबलिदान दे दिया, मदर टेरेसा
जैसी सेविका, विवेकानंद जैसे गुरु
व महात्मा बुद्ध जैसे महान
दार्शनिक भारत की भूमि पर
जन्म ले पाएंगे।

वर्तमान में इस दिशा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

को विकसित करने में कई चुनौतियाँ भी बनी है। सोशल मीडिया की एल्गोरिथ्म समान विचारधारा वाले कंटेंट को ही बार-बार रिकमेंड करती है जिससे एक विचार अतिवादी विचार में बदलता जाता है फलतः ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही नवीन तकनीकों में भेदभाव पूर्ण ढंग से सभी लोगों का डेटा का न होना व AI का बढ़ता प्रयोग. वंचित व कमजोर वर्ग के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण को निर्मित करने में भूमिका निभा सकता है।

इसके लिए आवश्यकता है नवीन तकनीकों के विकास में मानव को साधन के रूप में देखने के बजाय साध्य के रूप में देखा जाए। न्यायपूर्ण ढंग से इनका विकास किया जाए व सभी हितधारकों के हितों को

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सुनिश्चित किया जाए।

बेहतर न्यायपूर्ण, सहिष्णु दृष्टि ही अन्याय को दूर करने में मदद कर सकती है इससे कमजोर व वंचित वर्गों का सशक्तीकरण हो सकता है। • एक ऐसे विश्व का निर्माण किया जा सकता है जहाँ -

सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु
माँ कश्चिद् दुःख भाग् भवेत

(सभी सुखी हो, सभी निरोगी हो, सभी का कल्याण हो, किसी के भाग में दुःख न रहे)

xxx

VisionIAS

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS